

पशुओं के तरल अपशषिट का उर्वरक में परिवर्तन

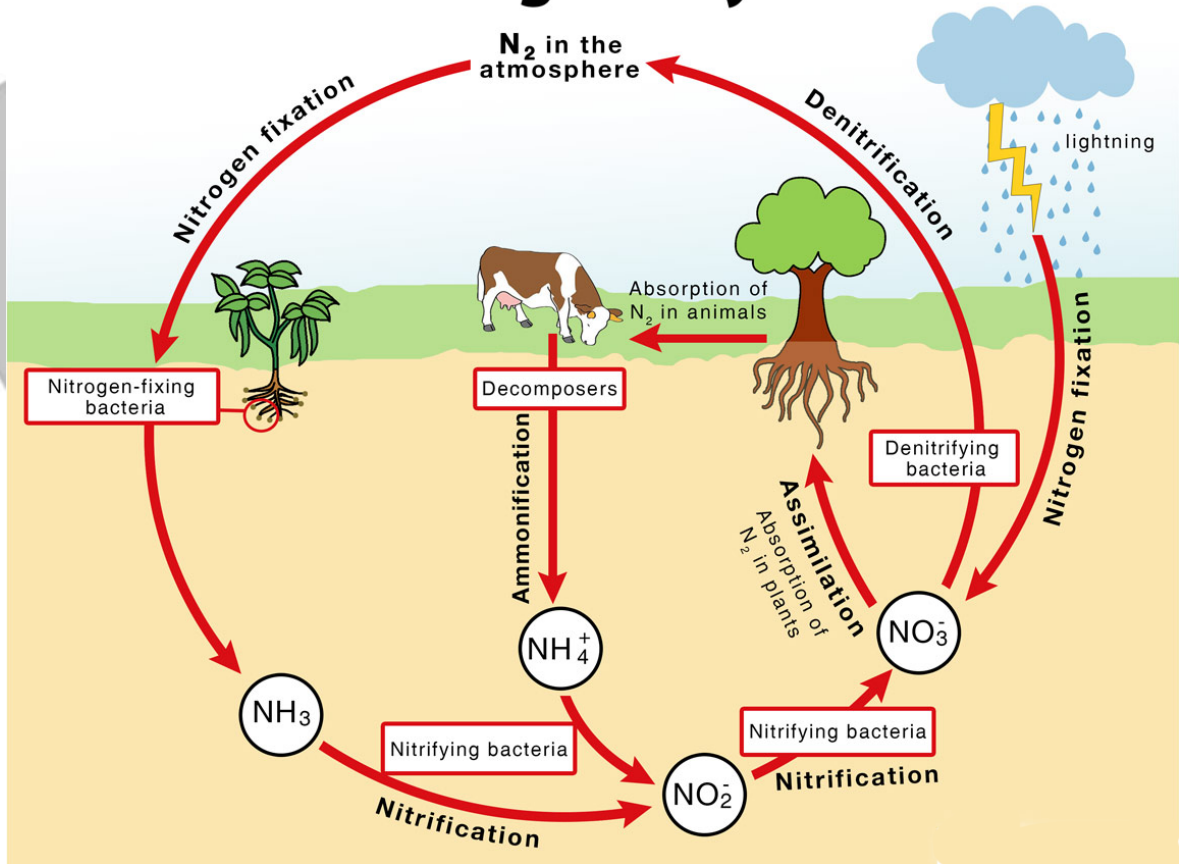
स्रोत: TH

वैज्ञानिकों ने मूत्र से यूरिया का नषिकरण करने हेतु एक नवीन वदियुत-रासायनिक तकनीक विकसित की है, जो अपशषिट जल उपचार चुनौतियों का समाधान करते हुए इसे उर्वरक में परिवर्तित करेगी।

- नई वदियुत रासायनिक प्रक्रिया मूत्र के यूरिया को परकार्बामाइड में परिवर्तित करती है, जो एक क्रस्टिलीय परॉक्साइड व्युत्पन्न है जिसका उपयोग उर्वरक के रूप में किया जा सकता है।
 - इसने मानव और पशु दोनों के मूत्र से परकार्बामाइड का नषिकरण करने में लगभग पूर्ण शुद्धता हासिल कर ली है।
 - नषिकरणी परकार्बामाइड से क्रमिक रूप में नाइट्रोजन उत्सर्जित होता है, जिससे फसल की वृद्धि बढ़ती है और नाइट्रोजन चक्र पूरा होता है।
- मूत्र में फास्फोरस, पोटेशियम और नाइट्रोजन (यूरिया) जैसे आवश्यक पोषक तत्व होते हैं, जो इसे एक संभावित प्राकृतिक उर्वरक बनाते हैं।
- एक वयस्क व्यक्ति प्रतिवर्ष 450-680 लीटर मूत्र उत्पादित करता है, जिससे 4 किलोग्राम नाइट्रोजन और 0.3 किलोग्राम फास्फोरस उत्पन्न होता है, जो एक वर्ष तक प्रतिदिन एक रोटी के लिये गेहूँ उगाने के लिये पर्याप्त है।
- यह स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (SBM-U) के तहत ODF++ स्थिति प्राप्त करने में मदद कर सकता है, जिसमें GHG उत्सर्जन को कम करने के लिये ठोस और तरल अपशषिट प्रबंधन और डेयरी कषेत्र शामिल हैं।

//

Nitrogen Cycle



और पढ़ें: [सबचछ भारत मशिन-शहरी](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/turning-animal-liquid-waste-into-fertilizer>

